डॉ उमर खालिद

लाल, नीला सलाम। चौबीस महीने से आप जेल के अंदर भले ही क़ैद रहें एक ज़ालिम हुकूमत के कारण, मगर आपकी आवाज़ आज भी बुलंद है। आप का हौसला, आप के साथियों और ख़ानदान की क़ुर्बानी एक नयी सुबह ज़रूर लाएगी। आपकी रिहाई और एक नफ़रत मुक्त दुनिया की उम्मीद में.